INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Class Work
LESSON-4 कठपुतली	Topic: - Q. Bank	Note: Write in your Note Book

अति लघु प्रश्न

प्रश्न1- मन के छंद छूने का अर्थ क्या है?

उत्तर- मन के छंद छूने का अर्थ है- अपनी मर्जी से काम करना।

प्रश्न2- पहली कठपुतली की बात किसने सुनी?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात उसके साथ रहने वाली दूसरी कठपुतलियों ने सुनी।

प्रश्न3- 'गुस्से से उबलना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

उत्तर- 'गुस्से से उबलना' मुहावरे का अर्थ है बहुत क्रोधित होना।

प्रश्न4- कठपुतली कहाँ खड़ा होना चाहती थी?

उत्तर- कठपुतली अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थी।

लघु प्रश्न

प्रश्न5- कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर- कठपुतली को गुस्सा आया क्योंकि उसे सदैव दूसरों के इशारों पर नाचना पड़ता था और वह हमेशा धागों से बँधी रहती थी। धागों में बँधना उसे पराधीनता लगती थी।

प्रश्न6- पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगीं?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को अच्छी लगी क्योंकि वे भी स्वतंत्र होना चाहती थीं और अपने मन के अनुसार चलना चाहती थीं। उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पसंद नहीं था|

प्रश्न7- कठपुतली कविता में मुख्य रूप से किस विचार को प्रकट किया गया है?

उत्तर- इस कविता में मुख्य रूप से स्वतंत्रता के विचार को प्रकट किया गया है। स्वतंत्रता सबके लिए आवश्यक है। पराधीन रहकर कोई सुखी नहीं रह सकता इसलिए पराधीनता में कोई नहीं जीना चाहता है।

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न9- इस कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर- इस कविता के माध्यम से कवि ने आज़ादी के महत्त्व को समझाने का प्रयास किया है। इसके साथ ही कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि आज़ादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों का

अहसास होना चाहिए। स्वतंत्र होना सभी को अच्छा लगता है लेकिन स्वतंत्रता का सही उपयोग कम ही लोग कर पाते हैं। अतः आज़ादी के बाद आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इसके साथ ही आज़ादी को बनाए रखने के लिए हमेशा कोशिश करना पड़ता है।

प्रश्न8- कठपुतली अपने फैसले पर पुनः विचार क्यों करने लगीं?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात सुनकर सभी दूसरी कठपुतलियाँ विद्रोह की बात करने लगीं। यह देखकर वह सोच में पड़ गई कि क्या उसका फैसला सही था। उसे डर लगा कि कहीं उसके स्वतंत्र होने की इच्छा उसकी सहेलियों को किसी मुसीबत में न डाल दे। वह जानती थी कि आज़ादी पाना कठिन तो है लेकिन उसे सँभाल पाना और भी कठिन है। इसलिए वह कठपुतली अपने फैसले पर पुनः विचार करने लगीं।

लेखन कार्य- दिए गए चित्र का वर्णन 40-50 शब्दों में कीजिए|

&&&&&&&&&&&&&&&&